



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एकशन इंडिया



DL(N) /145/2021-23

वर्ष: 18 अंक: 314 पृष्ठ: 12

RNI : DELHIN/2006/19302



actionindianews@gmail.com

राष्ट्रीय संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

**चतुर्थ पुण्यतिथि पर
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
श्रद्धेय श्री राकेश भारद्वाज जी
की पुण्यतिथि पर कोटि कोटि नमन**

01-02-1961 — 14-11-2020

हम सब हर घड़ी, हर पल, हर क्षण, हर दिन आपके गरिमामयी, ओजस्वी और महान व्यक्तित्व को महसूस करते हुए निर्वाण की पावन तिथि पर शत्-शत् नमन करते हैं। बीते चार वर्षों में कोई क्षण ऐसा नहीं रहा, जब आपके होने का अहसास नहीं हुआ हो। आपके द्वारा आलोकित पथ पर सदैव अग्रसर रहने का संकल्प लेते हैं।

श्रद्धावनत

- गीता राकेश भारद्वाज
- रवि राकेश भारद्वाज
- दीपिका भारद्वाज
- ऋचा शर्मा-अभिषेक शर्मा
- एश्वर्या भारद्वाज

दैनिक
एकशन इंडिया



- एकशन इंडिया समूह
- द राकेश भारद्वाज मैमोरियल ट्रस्ट
- मारुतिनंदन प्रिंटर्स
- जन जागरण मीडिया समूह
- द प्रिंटिंग हब



प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री निवास से बैठियों कॉफ़ेस के माध्यम से जुड़े।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एकरान इंडिया

DL(N) /145/2021-23

वर्ष: 18 अंक: 314 पृष्ठ: 12



actionindianews@gmail.com

राष्ट्रीय संस्करण

RNI : DELHIN/2006/19302



आदर्श विचार



“ कोई भी अपने कर्म से भाग नहीं सकता, कर्म का फल तो भगतना ही पड़ता है । - भगवत् गीता ”

मन की बात



“ सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उमीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ आसा पा सकते हैं । - रामी विवेकानंद ”

77

राष्ट्रपति ने सिलवासा में स्थानीय विवेकानंद विद्या मंदिर का लोकार्पण किया

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्वारा पूर्णी मुमु ने बुधवार को सिलवासा में स्थानीय विवेकानंद विद्या मंदिर का लोकार्पण किया और एक सार्वजनिक समारोह को संचालित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि स्थानीय विवेकानंद विद्या मंदिर का लोकार्पण करके उन्हें अत्यन्त प्रसन्नता हुई है। उन्होंने कहा कि यही प्रश्नसन में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए हैं। छोटों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए 2018 में सरकारी इन्जीनियरिंग कॉलेजों की शुरुआत की गई और 2024 में निष्ठा की स्थायी की गई। उन्होंने विद्यास अक्ष किया कि यह प्रयास पूरी की युवाओं के लिए एक बहतरीन अवसर प्रदान करें। राष्ट्रपति ने कहा कि इस क्षेत्र में ऐतिहासिक, सांकेतिक और प्राकृतिक धरोहर बहुत समृद्ध है। इसी वजह से यह सभी राज्य के अंतर्गत नियमित करें।

बुलडोजर एकशन पर 'सुप्रीम' फैसला

● प्रॉपर्टी टोइन से पहले 15 दिन का नोटिस, वीडियोग्राफी जरूरी, अफसर दोषी तो निर्माण कराएगा: सुप्रीम कोर्ट

गाइडलाइंस

► बुलडोजर एकशन पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला- आरोपित या दोषी का घर ध्वस्त नहीं किया जा सकता



बुलडोजर एकशन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया

सुप्रीम कोर्ट ने देशवार घर रहे बुलडोजर एकशन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किया है। जरिट्स वीर गर्ड की अधिकारी वाली बैठ के दिशा-निर्देश जारी किये हुए कि आग कानून की प्रक्रिया का पालन किये बिना किसी आरोपित या दोषी के घर को ध्वस्त कर दिया जाता है तो उसका परिवार मुआवेह का हक्कर होगा। साथ ही ममाने ढंग से या अवैध तरीके से काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई भी की जायेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे सामने सवाल यह है कि क्या कार्यपालिका किसी ऐसे कार्रवाई का आश्रय होती है जिस पर अपराध का अरोपण हो। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सभी पात्रों को सुनाए गए बाद हम दोषी के पूरे के कई फैसले पर भी विचार किया है। कोर्ट ने कहा कि ये सारकारी जिम्मेदारी है कि वो राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखें और राज्य में कानून का ही जग होना चाहिए।

करता है तो वो अपने खर्च पर दोबारा प्रॉपर्टी का निर्माण कराएगा और मुआवजा भी देगा।



ले सकती है। कोर्ट ने कहा कि किसी का घर उसकी उम्मीदें हैं। हर किसी का सम्पादन होता है कि उसका आश्रय कमी न छिने और हर एक का समान होता है कि उसके पास आश्रय हो। कोर्ट ने कहा कि हमारे सामने सवाल यह है कि क्या कार्यपालिका किसी ऐसे कार्रवाई का आश्रय होती है जिस पर अपराध का अरोपण हो। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सभी पात्रों को सुनाए गए बाद हम दोषी के पूरे के कई फैसले पर भी विचार किया है। कोर्ट ने कहा कि ये सारकारी जिम्मेदारी है कि वो राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखें और राज्य में कानून का ही जग होना चाहिए।

जिसके लिए हमने सुप्रीम कोर्ट के पूरे के कई फैसले पर भी विचार किया है। कोर्ट ने कहा कि ये सारकारी जिम्मेदारी है कि वो राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखें और राज्य में कानून का ही जग होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और

राजस्थान में लगातार बुलडोजर एकशन के बाद जर्मीन-उलेमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थीं। आरोप लगाया था कि इखड शासित राज्यों में सुसलामानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एकशन लिया जा रहा है। कोंड्रे सरकार को जारी किया गया था कि इखड शासित राज्यों में याचिका को बाजारी जीवन सकती है जिस पर अपराध का अरोपण हो। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सभी पात्रों को सुनाए गए बाद हम दोषी के पूरे के कई फैसले पर भी विचार किया है। कोर्ट ने कहा कि ये सारकारी जिम्मेदारी है कि वो राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखें और राज्य में कानून का ही जग होना चाहिए।

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और

झारखंड में तेजी से बढ़ रही घुसपैठियों की आबादी: मोदी



साधा निशाना

► हमने झारखंड बनाया है, हम ही संवारेंगे। झारखंड में पहले चरण का मतदान हो रहा है। समर्थन मिल रहा है। यह तय है कि इस बार संथाल क्षेत्र में जयपूर-कार्गिस का सफाया हो जाएगा। प्रधानमंत्री ने झारखंड में विजय अंदरूनी के बास्पैठ को लेकर खुसपैठियों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। जयपूर गठबंधन पर खतरनाक बोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यामुनों की खाड़ी-कर्गिस गढ़बंधन पर भाजपा-ए-हिंद कोटि अंदरूनी की आबादी घट रही है, जबकि खुसपैठियों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने बुधवार के संबोधित करते कहा कि भाजपा-ए-हिंद का बैंक बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड बनाया है, हम ही संवारेंगे। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक के साथरूप में विजय अंदरूनी के संबोधित करते कहा कि भाजपा-ए-हिंद का बैंक बैंक की बाजारी जीवन सकती है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का मतदान हो रहा है। उन्होंने कहा कि ज्यामुनों की आबादी राजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक ही मंत्र है। हमने झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में पहले चरण का साधारणीय विवाह की संख्या की अवैधता की जाग रही है। उन्होंने कहा कि आदर्श-कारीब और आकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि यह साथल बोट बैंक की बाजारी जीवन सकती है। एक



संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में फिर अनुच्छेद 370 का दाग

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद प्रदेश की नई सरकार ने पुनरें एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इसमें निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस अनुच्छेद 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी नेशनल कॉर्नेस और कांग्रेस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हासिले बढ़ाने वाला लगता है, क्योंकि पाकिस्तान अनुच्छेद 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक रचता रहा है। अनुच्छेद 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहाँ के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाया दिया। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को प्रभावित करते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली प्रदेश की नई सरकार ने जम्मू-कश्मीर में फिर से अलगाव के बाये रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है हालांकि कांग्रेस सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू-कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 कायम था, तब राज्य ने बया खोया था, वह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रयोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थीं। वर्तमान केंद्र सरकार ने इसे हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समर्पस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू-कश्मीर की जांची गठित होने पर लगाम लगा पाने में बहुत हड्ड तक सफल हुआ है। वर्तमान में पुरे देश में समान नागरिक सहित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लैकिन दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाले अनुच्छेद 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह जम्मू-कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करता है। इसके चलते कश्मीर का सविधान और पहचान हो गया है। जो भारत के संविधान और तिरसा से अलग हो गया। यह स्थिति डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः खारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान पाठांकर फेकना चाहती है। इसका एक अशय यह भी है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, वह और सप्त कर्ता चाहिए, क्योंकि बचाना साहब अबेंडकर कभी भी अनुच्छेद 370 को अलग पहचान देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इनकार कर दिया था। अंबेडकर जी के मना करने के बाद शेष अब्दुल्ला, तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बचाना साहब अंबेडकर की भावना को दिक्किनार कर शेष अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए अनुच्छेद 370 का समाप्त संविधान और यह भी कर दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दब्भ भरे हो कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लैकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे।



“कोई विश्वसघाती कहता है तो कोई 'दोगला' उड़ू गाले 'गद्दर' को नमक हराम, खियानत करने वाला मानते हैं। अंग्रेजी में 'गद्दर' को इउटड रलझइप्पक कहा जाता है। यानि 'गद्दर' शब्द के अनेक रूप हैं। कहीं ये संज्ञा है तो कहीं सर्वनाम। कहीं क्रिया है तो कहीं क्रिया विशेषण। कलियुग कोई सियासत में गद्दरी एक स्थानी भाव हो गया है। आप यदि थोड़ी से मेहनत करें तो देश के आधुनिक गद्दरों की एक लम्हा फेहरिस्त बना सकता है। आप यहाँ तो इस विषय पार शोध कर डाक्टर आफ फिलासफी की उपाधि भी हासिल कर सकते हैं। मेरा स्वाध्याय बताता है कि देश और दुनिया में हर कालखंड में गद्दर मौजूद रहे हैं। उनके बिना सियासत में गद्दरी ही नहीं है। बात एकनाथ शिंदे है। यहाँ एक नारा बदल रहा है राजनीतिक परिदृश्य

”

मंथन

राजनीति में 'गद्दर' गाली है या उपाधि ?



इन दिनों देश में विकास का रथ थमा हुआ है, चौतरफा केवल और केवल राजनीति हो रही है। लगता है कि ये देश राजनीति के बिना प्रगति कर रही नहीं सकता। पक्ष -विपक्ष में मूँदों की बात नहीं हो रही तो बोला गोपण हो रहे हैं। सब -सरकारों की भव्याता गोपण के बाद लगता है कि वाताना सरकारों को भव्याता नहीं है। और आज का विवर्ष वर्षी से शुरू होता है कि बया राजनीति में 'गद्दर' शब्द गाली है या उपाधि ?

'गद्दर' एक अंतरी शब्द है लैकिन हम हिन्दूस्तानियों की जुबान पर ऐसा चढ़ा है की हिंदी के द्वारी ही शब्द को भी खा गया। 'मुँदे' लगता है कि देश में 'गद्दर' शब्द का इतेमाल मूँदों के भारत में आने के बाद शुरू हो गया है। या और कुछ ये तो 'शब्दों का सफानामा लिखने वाले हमारे दोस्त बता सकते हैं या दूसरे विद्वान। मुँदे तो केवल इतना लगता है कि 'गद्दर' कलिकाल में एक गाली है उन लोगों के लिए जिन्होंने लोगों के विश्वास को तोड़ा यानी विश्वास करता किया। तमाम सिद्धांतों, विचारों और नैतिकताओं का परित्याग कर अपनी सियासी बलिदान बदली और वो भी बेशर्मी के साथ। महाराष्ट्र के चुनावी माहोन में गद्दर शब्द की चौरांची भी चाहती है कि सूबे के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने। आप जानते हैं कि प्रकृत व्यवस्था के दैरान अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का इंडिया उठाने में लाखों लाखीं वाली जाहीर गोपनीय के साथ तांत्रिक रूप से लड़ता है। जिताना चाहती है कि गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका फैसला महाराष्ट्र की जनता हम और आप से ज्यादा बेतर कर सकती है और शायद करेगी भी। लैकिन हमने ये शब्द अपने छात्र जीवन में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की कहानी पढ़ते हुए पूर्ण लक्ष्यान्वित लोगों के लिए गद्दरी शब्द गरिमा हासिल करता गया।

'गद्दर' शब्द को लेकर शिंदे का गुस्सा जायज है या नाजाजय इसका फैसला महाराष्ट्र की जनता हम और आपने के बाद सकती है और शायद करेगी भी। लैकिन हमने ये शब्द अपने छात्र जीवन में प्रथम अपरिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करत। बाद में तो जहाँ भी दल-बदल हुआ, पारिंट्या टूटी या तोड़ी गयीं 'गद्दर' शब्द गरिमा हासिल करता गया।

'गद्दर' शब्द के पर्यावाची के रूप में हिंदी में एक नहीं अनेक शब्द है।

गद्दरी को इतिहास के दैरान अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का इंडिया उठाने में लाखों लाखीं वाली जाहीर गोपनीय के साथ तांत्रिक रूप से लड़ता है। जिताना चाहती है कि गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली। राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करत। बाद में तो जहाँ भी दल-बदल हुआ, पारिंट्या टूटी या तोड़ी गयीं 'गद्दर' शब्द गरिमा हासिल करता गया।

'गद्दर' शब्द के पर्यावाची के रूप में हिंदी में एक नहीं अनेक शब्द है।

गद्दरी को इतिहास के दैरान अंग्रेजों से लड़ते हुए जब गद्दरी' की शायद गद्दरी को स्वीकार नहीं करती गयी। गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली।

राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया

परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करती गयी। गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली।

राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया

परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करती गयी। गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली।

राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया

परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करती गयी। गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली।

राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया

परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करती गयी। गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली।

राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया

परिवार आजतक अपने ऊपर लगे आरोपीं को स्वीकार नहीं करती गयी। गद्दरी' की शायद गद्दरी के प्रेरणा अपनी दादी श्रीमति जियाजय इसका सिंधिया से मिली।

राजमाता ने 1967 में मप्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार कि साथ' गद्दरी' की शी हालांकि सिंधिया

परिवार आजतक अपन



आजादपुर मंडी: धूमधाम से मनाया गया राजू कोहली का जन्मदिन



टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: आजादपुर मंडी में राजू कोहली का जन्मदिन बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। एको बोर्डे कि सुहूद से ही राजू कोहली को जन्मदिन की बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। जहाँ एक और लोगों ने उड़े जन्मदिन की बधाई दी, वहाँ उनकी दीवार्यू और अज्जवल भविष्य की भक्तिमान की। आको यह भी बताएं कि राजू कोहली एसोसिएशन, एसोसिएशन और देवदार चैम्बर औंक यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष, आर्स पंजाबी कल्चरल सोसायटी के प्रधान और आरडब्ल्यूए जनकल्पणा के अध्यक्ष होने के साथ कई धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं में अहम

भूमिका निभा रहे हैं। एशिया की सबसे बड़ी आजादपुर मंडी में ग्रीन कोकेन ट्रेडर्स एसोसिएशन, तरबूज ट्रेडर्स एसोसिएशन और सदा ट्रेडर्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से राजू कोहली का जन्मदिन मनाया और वहाँ पर मौजूद सैकड़ों की संख्या में लोगों ने उड़े जन्मदिन की बधाई दी। एशिया देने वालों में मुख्य रूप से खरबूजा ट्रेडर्स एसोसिएशन, परीमा ट्रेडर्स एसोसिएशन, मौरमा ट्रेडर्स एसोसिएशन, और जे ट्रेडर्स एसोसिएशन, इमोर्टेंट बेजीटेबल ट्रेडर्स एसोसिएशन, आर्स पंजाबी कल्चरल सोसायटी, आरडब्ल्यूए

जनकल्पणा समिति, आरडब्ल्यूए आरडीएस और पल्लेदार भार्यों ने राजू कोहली का जन्मदिन मनाया। पुरी शैदी को गुजारों से सजाया गया था और वहाँ पर घुंघुने पर राजू कोहली का मजदूरों माशाखोरों और पल्लेदार भार्यों ने भव्य रूप में स्वागत किया और उड़े जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर जय सिंह, गौरी शंकर, पवन, राजेश, ताकुर, पठक, पवन, बुद्धिमान, गुड़े चौरिसिया एवं चौरिसिया समाज, रोहित भाई सहित बड़े गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राजू कोहली ने कहा कि जिन लोगों ने भी मेरे जन्मदिन पर इतने भव्य कार्यक्रम आयोजित किये और मुझे जन्मदिन की बधाई दी है, मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूँ।

माशाखोरों और पल्लेदार भार्यों ने राजू कोहली का जन्मदिन मनाया। पुरी शैदी को गुजारों से सजाया गया था और वहाँ पर घुंघुने पर राजू कोहली का मजदूरों माशाखोरों और पल्लेदार भार्यों ने भव्य रूप में स्वागत किया और उड़े जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर जय सिंह, गौरी शंकर, पवन, राजेश, ताकुर, पठक, पवन, बुद्धिमान, गुड़े चौरिसिया एवं चौरिसिया समाज, रोहित भाई सहित बड़े गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राजू कोहली ने कहा कि जिन लोगों ने भी मेरे जन्मदिन पर इतने भव्य कार्यक्रम आयोजित किये और मुझे जन्मदिन की बधाई दी है, मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूँ।



बुराड़ी: कांग्रेस और आम आदमी पार्टी देश के लिए श्राप: कृष्ण पाल



टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: धरातल पर बदलाव लाने के लिए राजनीति सबसे शक्ति माहम है। राजनीति के माध्यम से हम समाज के दबे-कुचले लोगों और उपरिक्षेत्र समुदायों को ऊपर उठाने हुए समाजिक-आर्थिक विषयताओं को दूर करने का भरसक प्रयास कर सकते हैं।

एक व्यापक बदलाव लाने का जो कार्य, बड़े से बड़े वर्तन वाली प्रतिवित नीतियों को भी नहीं किया जा सकता है, उसे राजनीति के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। इसी सिद्धांत पर चलते हुए भाजपा ने आरंभ से ही राजनीति को सत्ता की बजाय सेवा



विद्युत उत्पादन से राष्ट्र का सशक्तिकरण



हमारा साझा विजय

2040 तक **50000** मेगावाट

2030 तक **25000** मेगावाट

घरों, उद्योगों एवं अर्थव्यवस्थाओं के लिए स्वच्छ,
विश्वसनीय एवं स्थाई ऊर्जा प्रदान करने में अग्रणी

एक सतत एवं समावेशी भविष्य के लिए हमसे जुड़ें।
आइए मिलकर प्राकृतिक ऊर्जा को अपनाएं, नवाचार को आगे बढ़ाएं
और एक उज्ज्वल, हरित भविष्य का निर्माण करें।

एसजे वी इन लिमिटेड
SJVN LIMITED
(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
‘नवरत्न सीपीएसई’

पंजीकृत कार्यालय : शक्ति सदन, कारपोरेट ऑफिस काम्पलैक्स,
शनान, शिमला-171006, हिमाचल प्रदेश (भारत)

सम्पर्क कार्यालय : ऑफिस ब्लाक, टॉवर-1, 6वीं मंजिल,
एनबीसीसी काम्पलैक्स, ईस्ट किंदवई नगर, नई दिल्ली-110023